● वर्ष : 05 ● अंक : 33

● गाजियाबाद, गुरुवार 28 मई 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No. - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

आपको खेल के नियम सीखने चाहिए और आप किसी भी खिलाड़ी से बेहतर खेलेंगे ।

एसआईआर सही है, चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट से नाम हटाने-जोड़ने का पूरा अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा किए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वैधता को बरकरार रखते हुए कहा कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की संवैधानिक अनिवार्यता को आगे बढ़ाता है। न्यायालय ने कहा कि एसआईआर का संचालन निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने व्यवस्था दी कि यह नहीं कहा जा सकता कि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर का प्रयोग करके अपने वैधानिक अधिकारों की सीमा से बाहर जाकर काम किया है।

पीठ ने कहा कि हम इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते कि विवादित

प्रक्रिया केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए अपनाई गई थी। इसके विपरीत, हम मानते हैं कि चुनावी एसआईआर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संवैधानिक आवश्यकता को बल देता है।

एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं में दावा किया गया था कि संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उससे संबंधित नियमों के तहत निर्वाचन आयोग को इतने व्यापक स्तर पर एसआईआर कराने का अधिकार नहीं है।

शीर्ष न्यायालय ने 29 जनवरी को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन ह्यएसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्सह्न (एडीआर) की याचिका भी शामिल थी। बिहार में एसआईआर अभियान का पहला चरण चलाया गया था।

एसआईआर से नाम हटना मतलब नागरिकता का अंत नहीं

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वैधता को बरकरार रखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से नाम हटाना नागरिकता का निर्धारण नहीं करता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत की गई जांच नागरिकता का निर्धारण नहीं है और यह केवल चुनावों में भागीदारी तक सीमित है। यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि याचिकाकताओं और विपक्ष ने तर्क दिया था कि चुनाव आयोग द्वारा संचालित एसआईआर अभ्यास, एक तरह से परदे के पीछे से नागरिकता सत्यापन का अभ्यास है। इस व्यापक प्रश्न पर कि क्या चुनाव आयोग नागरिकता का निर्धारण कर सकता है, सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण शर्त रखी। न्यायालय ने कहा कि चुनाव आयोग इसकी जांच कर सकता है,

लेकिन केवल संबंधित व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल करने या बाहर करने के सीमित दृष्टिकोण से। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आयोग नाम हटा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं रह गया है। इसका नागरिकता निर्धारण से कोई लेना-देना नहीं है। संक्षेप में, इसका अर्थ यह है कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से किसी का भी नाम हटाए जाने से व्यक्ति की नागरिकता समाप्त नहीं होती। अदालत ने चुनाव निकाय की शक्तियों को भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में शामिल होने की पात्रता सुनिश्चित करने के सीमित उद्देश्य के लिए नागरिकता संबंधी सार्थक जांच करने का अधिकार है। ऐसी जांच नागरिकता का निर्धारण नहीं मानी जाएगी। यह फैसला एसआईआर प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर आया है। एसआईआर प्रक्रिया के तहत, जिन मतदाताओं के नाम 2002/2003 की मतदाता सूची में नहीं थे, उन्हें उस सूची में मौजूद किसी व्यक्ति से अपने पूर्वज का संबंध साबित करना आवश्यक था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब चुनाव आयोग ने पिछले साल जून में बिहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू की और फिर इसे पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में विस्तारित किया। वर्तमान में, एसआईआर का तीसरा और अंतिम चरण 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहा है।

दिल्ली में 45 डिग्री के करीब पहुंचा पारा, येलो अलर्ट जारी, 29 मई को राहत की संभावना

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

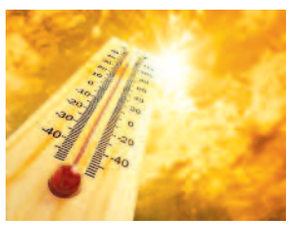

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में तापमान 45 डिग्री के करीब पहुंचने के बाद मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। राजधानी सहित उत्तर भारत के बड़े हिस्से भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के करीब बना रह सकता है और 28 मई से पहले राहत की संभावना कम है। महीने के अंत तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से कुछ इलाकों में आंधी और हल्की बारिश के साथ तापमान में गिरावट आ सकती है। आईएमडी के मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार विदर्भ क्षेत्र देश के सबसे अधिक गर्म इलाकों में बना हुआ है। ब्रह्मपुरी में तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस और नागपुर में 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने वर्धा, अमरावती और चंद्रपुर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अगले दो दिनों तक गंभीर हीटवेव की चेतावनी दी है। विभाग ने कहा कि राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना के कई हिस्सों में भी लू से गंभीर लू की स्थिति बनी रहेगी। पश्चिम राजस्थान और मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में तापमान सामान्य से चार से छह डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। तेलंगाना के 10 जिलों में भी हीटवेव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिलों में गंभीर लू चलने की आशंका जताई गई है। आईएमडी ने कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत में 29 मई के बाद तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आ सकती है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना है, जिससे लोगों को आंशिक राहत मिल सकती है।

मोदी का देशवासियों से प्रचंड गर्मी में अपना, दूसरों का ध्यान रखने और मंत्रालयों से राहत के कदम उठाने का आग्रह

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में प्रचंड गर्मी और लू के दौर को देखते हुए सभी देशवासियों से सावधानी बरतने और सभी मंत्रालयों से जनता को गर्मी और लू से बचाने के लिए हर संभव उपय करने का आह्वान किया है। श्री मोदी ने मंत्रिमंडल की बुधवार को यहां हुई बैठक में सभी मंत्रियों का ध्यान देश में पड़ रही भीषण गर्मी की ओर दिलाया और उनसे लोगों को इससे राहत दिलाने के लिए अपने अपने स्तर पर उपाय करने को कहा। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 'प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के साथ गर्मी और लू की स्थिति पर चर्चा की और उनसे मंत्रालय स्तर पर लोगों को राहत दिलाने के लिए कदम उठाने को कहा।'

इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने सोशल

मीडिया मंच 'एक्स' पर एक के बाद एक कई पोस्ट में लोगों से लू और गर्मी से बचने के लिए पूरी सावधानी बरतने और अपने साथ साथ दूसरे लोगों का भी ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने लोगों से पशु-पक्षियों के लिए भी घरों, दफ्तरों और दुकानों के बाहर बर्तन में पानी रखने की अपील की । उन्होंने कहा लोगों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, बाहर निकलते समय पानी साथ रखने और अत्यधिक गर्मी की स्थिति में दूसरों को पानी देकर उनकी मदद करने का सुझाव दिया।

श्री मोदी ने कहा, 'देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है और इसके साथ कई चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। यह गर्मी हम सभी के लिए कष्टदायी है और मैं आप सभी से यथासंभव सावधानी बरतने का आग्रह करता हूं। कृपया पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, बाहर निकलते समय अपने साथ पानी जरूर रखें। दूसरों को भी पानी पिलाएं। ऐसे मौसम में ऐसी करुणा बहुत मायने रखती है।'

प्रधानमंत्री ने चक्कर आना, मतली और अत्यधिक थकान के लक्षणों के प्रति लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई व्यक्ति अस्वस्थ दिखाई दे, कमजोरी या सिरदर्द महसूस कर रहा हो तो उसे तुरंत ठंडी और छायादार जगह पर ले जाकर पानी और ओआरएस उपलब्ध कराएं। श्री मोदी ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और बाहर धूप में काम करने वाले लोग भीषण गर्मी के दौरान विशेष रूप से प्रभावित होते हैं और चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज करना हीटस्ट्रोक का कारण बन सकता है।

श्री मोदी ने लोगों से घर के बुजुर्गों और अन्य प्रियजनों का नियमित रूप से हालचाल पूछते रहने तथा उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, दोपहर के समय घर से बाहर न निकलने और पर्याप्त आराम करने की सलाह देने का भी आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने करुणा पर बल देते हुए, नागरिकों से अपील की कि वे इस गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए घरों, बालकनियों, छतों, दुकानों और कार्यालयों के बाहर पानी से भरे बर्तन रखें।

श्री मोदी ने लोगों से अपील करते हुए कहा, 'आइए हम इस भीषण गर्मी में, अपने आसपास के पशु-पक्षी और जानवरों का भी ख्याल रखें। घर, बालकनी, छत, दुकान या दफ्तर के बाहर रखा एक छोटा कटोरा पानी किसी प्यासे पक्षी के लिए जीवनदान बन सकता है। इन कठिन दिनों में करुणा हमारा मार्गदर्शन करे।'

सीएम धामी का बड़ा बयान: उत्तराखंड 'विकसित भारत' लक्ष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अल्मोड़ा में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और कुलपति के आवास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री धामी ने राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि उत्तराखंड सतत विकास प्रयासों के माध्यम से इस लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तराखंड ने इस विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले चार वर्षों में राज्य के विकास पथ पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक विकास और

पारिस्थितिक स्थिरता दोनों पर विशेष जोर दिया। धामी ने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को गति देने के प्रयास किए गए हैं। एक महत्वपूर्ण पहल पर प्रकाश डालते हुए, धामी ने विशेष रूप से प्रगति और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के राज्य के अग्रणी दृष्टिकोण का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीडीपी की परंपरा का अनुसरण करते हुए, उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने 'जीईपी' (सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक) शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन स्थापित करना है। राज्य की अर्थव्यवस्था में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है, वहीं सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में पिछले एक वर्ष में ही 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सोमवार को मुख्यमंत्री धामी ने खातिमा के अपने दौरे के दौरान ब्लॉक कार्यालय परिसर में शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की सबसे मजबूत नींव है। खातिमा में स्थापित दीदी की लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों और युवाओं के लिए ज्ञान का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी।

जीडीए ने प्रवर्तन जोन-05 में अवैध कॉलोनियों पर चलाया बुलडोजर

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा अवैध निर्माण एवं अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। उपाध्यक्ष के निदेशों के क्रम में मंगलवार को प्रवर्तन जोन-05 क्षेत्र में बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया।

प्रभारी प्रवर्तन जोन-05 के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के तहत ग्राम डासना स्थित उस्मानगढ़ी गंदे नाले के पास लगभग 3000 वर्गमीटर भूमि पर अवैध रूप से कच्ची सड़क बनाकर की जा रही प्लाटिंग और कॉलोनी विकास कार्य को ध्वस्त किया गया। यह अवैध कॉलोनी दिनेश कुमार, राकेश कुमार एवं लोकेश कुमार पुत्रगण बनवारी लाल द्वारा विकसित की जा रही थी।

इसके अतिरिक्त शौर्यपुरम जयपुरिया क्षेत्र में लगभग 4000 वर्गमीटर भूमि, जो स्वीकृत डीपीआर में स्कूल/कॉलेज हेतु आरक्षित है, पर अवैध प्लाटिंग किए जाने की शिकायत पर भी कार्रवाई की गई। यहां अवैध रूप से काटे गए प्लॉटों से संबंधित निर्माण को हटाया गया। वहीं, शौर्यपुरम शाहपुर बम्हैटा क्षेत्र में लगभग 1000 वर्गमीटर भूमि, जो स्वीकृत

डीपीआर में सड़क के रूप में दर्शित है, पर आरसीसी कॉलम खड़े किए जाने के मामले में भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

जीडीए अधिकारियों के अनुसार स्थल पर किसी प्रकार का स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत नहीं किया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध कॉलोनाइजरों द्वारा बनाए गए सड़क, बाउंड्रीवाल, साइट ऑफिस एवं अन्य निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया। ध्वस्तीकरण के दौरान कॉलोनाइजरों एवं निर्माणकताओं द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन पुलिस बल एवं जीडीए प्रवर्तन दस्ते की मौजूदगी में अभियान को प्रभावी ढंग से पूरा किया गया।

इस कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-05 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल तथा प्रवर्तन दस्ता मौके पर उपस्थित रहा।

सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) प्रश्न पत्र लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिससे इस मामले में गिरफ्तार किए गये लोगों की कुल संख्या 13 हो गयी है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि नीट-यूजी 2026 प्रश्न लीक मामले में डॉ. मनोज शिरुरे नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जो लातूर का रहने वाला एक डॉक्टर है। उसने एक कोचिंग सेंटर के

मालिक (जो खुद आरोपी है) के बेटे सहित तीन छात्रों को आरोपी पी.वी. कुलकर्णी से रसायन विज्ञान के प्रश्न पत्र दिलाने में अहम भूमिका निभायी थी। गिरफ्तार किया गया दूसरा आरोपी तेजस हर्षदकुमार शाह है, जो पुणे स्थित एक कोचिंग सेंटर, डॉ. अभंग प्रभु मेडिकल अकादमी (एपीएमए) में भौतिक विज्ञान का संकाय है। उसे नीट-यूजी 2026 परीक्षा के लीक हुए भौतिक विज्ञान के प्रश्न गिरफ्तार आरोपी मनीषा हवलदार से मिले थे।

इस मामले में पूरी कड़ी और साजिश का पता लगाने के लिए जांच जारी है। सीबीआई ने अब तक 49 जगहों पर तलाशी ली है और कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त की गईचीजों का विस्तृत विश्लेषण किया जा रहा है। गौरतलब है कि सीबीआई ने यह मामला 12 मई, को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दी गयी लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज किया था, जो नीट -यूजी 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक से संबंधित थी।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास, सीएम हिमंत सरमा ने कही यह बड़ी बात

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सोमवार को यह विधेयक सदन में पेश किया था। इसके साथ ही असम पूर्वोत्तर का पहला और उत्तराखंड एवं गुजरात के बाद भाजपा शासित तीसरा राज्य बन गया है जिसने इस विधेयक को पारित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। विधेयक विपक्ष के हंगामे के बीच पारित हुआ, जिसने इसे चयन समिति को भेजने की मांग की है। यूसीसी 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था, और राज्य मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरूआत में अपनी पहली बैठक में इसके मसौदे को मंजूरी दी थी।

केरल में सीएम विजयन के घर ईडी की रेड के बाद भारी बवाल, अधिकारियों की कार पर हमला, शीशे तोड़े

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल भर में बड़ी संख्या में सीपीआई (एम) कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन और उनकी बेटी से जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के विरोध में सड़कों पर उतर आए, जो कथित रिश्वत मामले से संबंधित थी। इसी दौरान पार्टी कार्यकताओं के एक समूह ने तिरुवनंतपुरम में घंटों चले तलाशी अभियान के बाद निकलने की कोशिश कर रहे केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को ले जा रहे एक वाहन पर हमला कर दिया। सीपीआई(एम) कार्यकताओं ने ईडी टीम के वाहन को रोककर उसकी विंडशील्ड तोड़ दी और केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ नारे लगाए। राजधानी में सुबह से ही घंटों तक विरोध प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई जारी रही। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए काफी मशक्कत की। वाहन में महिला अधिकारी भी सवार थीं और अशांति के दौरान उसे निशाना बनाया गया।

केरल में 10 स्थानों पर ईडी की छापेमारी के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिनमें विजयन का तिरुवनंतपुरम स्थित वर्तमान आवास,

कन्नूर में उनका पैतृक घर और उनके दामाद और पूर्व मंत्री मोहम्मद रियास का कोझिकोड स्थित आवास शामिल हैं। सुबह तड़के तलाशी शुरू होने के बाद विजयन और उनके परिवार के सदस्य आवास के अंदर ही रहे, जबकि सैकड़ों सीपीआई (एम) समर्थक बाहर जमा होकर केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस हंगामे के दौरान, कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों पर प्लास्टिक की बोतलें, हेलमेट और पत्थर फेंके। बाद में वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेताओं ने हस्तक्षेप किया, कार्यकताओं को शांत किया और उन्हें हिंसक प्रदर्शन से पीछे हटने के लिए राजी किया।

ईडी की यह कार्रवाई उन आरोपों से जुड़ी है कि कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने 2018 और 2019 के बीच विजयन की बेटी टी वीना के स्वामित्व वाली एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को बिना किसी सेवा के 1.72 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। ये तलाशी अभियान केरल उच्च न्यायालय द्वारा सीएमआरएल की उस याचिका को खारिज करने के एक दिन बाद हुए, जिसमें ईडी की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी।

सीपीआई (एम) के महासचिव एमए बेबी ने आरोप लगाया कि विजयन और अन्य लोगों के आवासों पर ईडी की छापेमारी 'राजनीतिक रूप से प्रेरित' थी और इसे 'घिनौना हमला' बताया। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए बेबी ने कहा कि सीपीआई (एम) जनता के सामने यह साबित करेगी कि ये छापेमारी राजनीतिक मकसद से की गई थी।

नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, जीडीए, यूपीसीडा और आवास विकास मिलकर चलाएंगे महा अभियान

डीएम रविंद्र कुमार माँदड़ ने सभी विभागों को दिए संयुक्त निरीक्षण और रोड सुधार के निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। वायु प्रदूषण और सड़कों पर बढ़ती धूल की समस्या से निपटने के लिए अब गाजियाबाद में बड़े स्तर पर संयुक्त महा अभियान चलाया जाएगा। नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, यूपीसीडा और आवास विकास परिषद मिलकर शहर की सड़कों को धूल मुक्त और गड्ढा मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाएंगे। प्रमुख सचिव नगर विकास अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन के निदेशों के क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में इस अभियान की रूपरेखा तय की गई। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने विस्तृत कार्य योजना प्रस्तुत करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि केवल एक विभाग के प्रयासों से शहर को प्रदूषण मुक्त नहीं बनाया जा सकता, बल्कि सभी विभागों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद की प्रमुख एंट्री पॉइंट्स और मुख्य सड़कें तेजी से विकसित हो रही हैं, ऐसे में जिन मार्गों का रखरखाव नगर निगम के अलावा आवास विकास परिषद, लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों के पास है, वहां भी समान स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर उन स्थानों की पहचान की जाए जहां धूल अधिक उड़ती है या सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों को पूरी तरह धूल मुक्त करने और वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए शासन द्वारा निर्धारित फॉर्मेट के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सभी विभागों को एंड-टू-एंड रोड पेविंग, हरित क्षेत्र विकसित करने, पानी के छिड़काव और रोड सफाई से संबंधित आंकड़े भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम पहले से ही धूल नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चला रहा है। नगर निगम द्वारा अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से प्रतिदिन रोड स्वीपिंग कराई जा रही है। एमआरएस मशीन और रोड स्वीपिंग मशीनों से प्रमुख सड़कों की सफाई कर धूल हटाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा वॉटर स्प्रिंकलर के जरिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है ताकि उड़ने वाली धूल को नियंत्रित किया जा सके।

नगर आयुक्त ने दावा किया कि नगर निगम क्षेत्र की सभी सड़कें वर्तमान में गड्ढा मुक्त हैं और निगम समय-समय पर प्रमुख मार्गों पर विशेष महा अभियान भी चलाता है। उन्होंने अन्य विभागों से भी अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इसी प्रकार विशेष अभियान चलाकर धूल नियंत्रण और सड़क सुधार का कार्य तेजी से करें। नगर निगम की ओर से हर संभव तकनीकी और प्रशासनिक सहयोग देने का भरोसा भी अधिकारियों को दिया गया। बैठक में वार्षिक एक्शन प्लान तैयार करने को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए संयुक्त रूप से अभियान चलाने पर सहमति जताई। शहर में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए अब सड़क सफाई, पानी का छिड़काव, ग्रीनरी बढ़ाने और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन का मानना है कि यदि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तो आने वाले समय में गाजियाबाद की वायु गुणवत्ता में बड़ा सुधार संभव है। संयुक्त महा अभियान से न केवल सड़कों की स्थिति बेहतर होगी बल्कि शहरवासियों को धूल और प्रदूषण से भी काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

जनता की समस्याओं पर सख्त हुए डीएम, बोले– शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने राजस्व, जीडीए, नगर निगम, बिजली, स्वास्थ्य, सड़क, जल निकासी, पेंशन, भूमि विवाद, सफाई व्यवस्था और अन्य जनहित से जुड़े मामलों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। इस दौरान डीएम ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी मामलों का निस्तारण प्राथमिकता और पारदर्शिता के साथ किया जाए। जिलाधिकारी ने दो टूक कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या अनावश्यक विलंब किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए और प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाए।

जनता दर्शन के दौरान कई मामलों में डीएम ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल समाधान कराया, जिससे फरियादियों में संतोष दिखाई दिया। वहीं अन्य मामलों को संबंधित विभागों को भेजते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल शिकायत प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को त्वरित न्याय और प्रभावी समाधान उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनता दर्शन को प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी और परिणाममुखी बनाया जाए। वर्चुअल जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों की जूम प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

डीएम ने विशेष रूप से वृद्धजनों, दिव्यांगों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की शिकायतों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए डिजिटल माध्यमों का अधिकतम उपयोग किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ज्योति मौर्या सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। खोड़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी तथा वारदात में इस्तेमाल की जा रही एक वैगनआर कार बरामद की है। बरामद वाहन दिल्ली, गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों से चोरी किए गए बताए जा रहे हैं।

इंदिरापुरम एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव के अनुसार, मंगलवार देर रात थाना खोड़ा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान नहर पटरी लौधी चौक के पास संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर चार युवकों को रोककर पूछताछ की गई। जांच में उनके पास मौजूद वाहन चोरी के निकले, जिसके बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुनाल पुत्र तरुण कुमार सिंह निवासी ग्राम बड़का थाना भगवानपुर हाट जिला सिवान बिहार, हाल निवासी इंदिरा गार्डन खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद, रमन पुत्र क्षत्रपाल निवासी ग्राम निकपुर थाना सिविल लाइंस जनपद बदायूं, हाल निवासी सैनिक विहार खोड़ा कॉलोनी, टीटू पुत्र कलुवा निवासी ग्राम जमालपुर थाना शिकारपुर बुलंदशहर, वर्तमान पता कौड़ली थाना न्यू अशोक नगर दिल्ली तथा ललित चौहान पुत्र नरेंद्र चौहान निवासी ग्राम बहीपुर थाना जहांगीराबाद बुलंदशहर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी की 8 मोटरसाइकिल, एक स्कूटी और एक वैगनआर कार बरामद की गई है। यह कार वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देने और चोरी के वाहनों को इधर-उधर ले जाने में इस्तेमाल की जाती थी। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे दिल्ली, गाजियाबाद और एनसीआर के विभिन्न इलाकों से बाइक और स्कूटी चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों के नंबर बदलकर उन्हें अलग-अलग स्थानों पर बेच दिया जाता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के सदस्यों के खिलाफ पहले से विभिन्न थानों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, चोरी के वाहनों के खरीदारों तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है। साथ ही बरामद वाहनों के संबंध में विभिन्न थानों से जानकारी जुटाई जा रही है।

गाजियाबाद पुलिस अधिकारियों ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन/मुख्यालय ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। वहीं, राजकरन नैय्यर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात ने भी अपने कार्यालय में फरियाद लेकर आए लोगों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान किया जाए।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है तथा जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों और पुलिस के बीच संवाद को मजबूत किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने ईद उल अजहा की तैयारी हेतु सभी विभागों से की वर्चुअल बैठक दिए व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

त्योहारों पर अधिक बढ़ जाती है निगम की जिम्मेदारी, ईद पर अलर्ट रहे अधिकारी: नगर आयुक्त

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा ईद उल अजहा की तैयारी को लेकर सभी विभाग के अधिकारियों व टीम से वर्चुअल बैठक की गई बैठक में सफाई व्यवस्था पर विशेष बल दिया गया, विशेष रूप से 15 बिंदुओं पर तत्काल कार्य कराए गए जिसमें मुस्लिम वार्ड में प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था, सड़क मरम्मत की व्यवस्था, अवशेष उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्था, मस्जिदों एवं ईदगाह पर विशेष रूप से सफाई मित्र के उपस्थित रहने के लिए भी निर्देश दिए गए।

केला भट्टा,डसना गेट, नंदग्राम, पसौंडा, अर्थला व अन्य मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया मस्जिदों के बाहर और आसपास पानी का छिड़काव का कार्य कराया गया, शहीद नगर में निर्माण विभाग द्वारा सड़क मरम्मत का कार्य कराया गया मस्जिद एवं ईदगाह को जाने वाले मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य किया गया, लगातार व्यवस्था को बनाए रखने के लिए वर्चुअल बैठक के माध्यम से नगर आयुक्त द्वारा सभी विभाग के अधिकारियों को त्यौहार के समय अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए त्योहारों पर गाजियाबाद नगर निगम की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है जिसको मेहनत से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में समस्त अपर नगर आयुक्त, समस्त जोनल प्रभारी, समस्त विभागों से संबंधित अधिकारी व टीम उपस्थित रही।

चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार में लगी भयंकर आग, मची अफरा-तफरी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। लिंक रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत सूर्यनगर स्थित रामपुरी इलाके में मंगलवार तड़के एक अपार्टमेंट की पार्किंग में चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और घना धुआं फैलने के कारण अपार्टमेंट में रहने वाले कई लोग फंस गए। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पॉल ने बताया कि मंगलवार 27 मई 2026 को रात्रि 02:24 बजे एमडीटी के माध्यम से फायर स्टेशन को सूचना प्राप्त हुई कि अ-77, रामपुरी, सूर्यनगर, नियर रामपुरी रोड स्थित एक अपार्टमेंट की पार्किंग में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही प्रभारी अधिकारी साहिबाबाद, वैशाली तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद फायर टेंडरों के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर फायर सर्विस टीम ने देखा कि पार्किंग में खड़ी इलेक्ट्रिक कार संख्या UP 14FS 4593, जो चार्जिंग में लगी हुई थी, उसमें भीषण आग लगी हुई थी। आग के कारण पूरे परिसर में तेजी से धुआं फैल गया, जिससे अपार्टमेंट में रहने वाले लोग घबरा गए। फायर कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी निवासी सुरक्षित बाहर निकल आए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के दौरान अपार्टमेंट में रहने वाले जिन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, उनमें सत्य प्रकाश गुप्ता (83 वर्ष), पार्वती गुप्ता (78 वर्ष), कार्तिक गुप्ता (32 वर्ष), आर्यमान गुप्ता (30 वर्ष), देवेश गुप्ता (27 वर्ष), तरु गुप्ता (23 वर्ष), प्रह्लाद खंडेलवाल (76 वर्ष), सचिन खंडेलवाल (49 वर्ष), अमिता खंडेलवाल (45 वर्ष), हिमांशु तलवार (39 वर्ष), जगदीश तलवार (76 वर्ष) तथा नीता तलवार (61 वर्ष) शामिल हैं। फायर सर्विस की त्वरित कार्रवाई की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

इंदिरापुरम के राजहंस में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित राजहंस सोसाइटी में बुधवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। सुबह 7 बजे श्रद्धालुजन राजहंस मंदिर परिसर में एकत्रित हुए, जहां शहनाई की मधुर धुनों के बीच महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश यात्रा निकाली। पूरे परिसर में भक्ति एवं उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रीमद्भागवत कथा के दौरान व्यासपीठ पर आचार्य पंडित संतरेश्वर झा जी महाराज विराजमान रहेंगे, जो आगामी सात दिनों तक श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का अमृतमय रसपान कराएंगे। कार्यक्रम में राजहंस मंदिर समिति के चेयरमैन शरत कुमार झा, अध्यक्ष अभिनव खेमका, उपाध्यक्ष विनीत माहेश्वरी एवं राहुल समनोल, महासचिव विपुल कुमार, कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, सह-कोषाध्यक्ष संजय कुमार तथा सागर सुबुद्धी सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इसके अलावा अवनीश शर्मा, रमन शर्मा, मनीष गुप्ता, गिरधारी लाल बघेल, राजेंद्र गांधी, श्रीमती रूबी शर्मा, श्रीमती प्रिया गुप्ता, श्रीमती मृदुला उनियाल, श्रीमती रेणु निगम, श्रीमती मेघना शर्मा, हिमानी, हिमा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने 'जय कृष्ण' एवं 'राधे-राधे' के जयघोष के साथ कथा महोत्सव का शुभारंभ किया।

जनपद गाजियाबाद में कोल्ड स्टोरेज एवं चिलिंग प्लांट के लिए शीतगृह लाइसेंस अनिवार्य

गाजियाबाद। जिला उद्यान अधिकारी निधि सिंह ने जनपद गाजियाबाद में संचालित सभी कोल्ड स्टोरेज, कोल्ड रूम एवं चिलिंग प्लांट संचालकों को निर्देशित करते हुए कहा है कि 100 घन मीटर से अधिक भंडारण क्षमता वाले सभी शीतगृहों के लिए शीतगृह लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि शीतगृह से आशय ऐसे परिबद्ध एवं इन्सुलेटेड कक्ष से है, जिसे रेफ्रिजरेशन मशीनरी द्वारा यांत्रिक रूप से शीतित किया जाता है। इनका उपयोग कृषि एवं उद्यान उत्पादों, पशुपालन अथवा मत्स्य संवर्धन से संबंधित उत्पादों तथा उनसे निर्मित खाद्य एवं पेय पदार्थों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है।

दिया तले अंधेराः नोएडा प्राधिकरण के अपने ही कार्यालय में गंदगी, आम आदमी परेशान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। दिया तले अंधेरा, यह कहावत नोएडा प्राधिकरण के लिए चरितार्थ हो रही है। दूसरों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने व लापरवाही बरतने वाले लोगों पर लाखों रुपये का अर्थिक दंड लगाने वाला नोएडा प्राधिकरण आज खुद ही बिमार सा प्रतीत हो रहा है। मामला नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग कार्यालय का है जहा आये दिन लोगों को अनेकों समस्याओं से रुबरु होना पड़ता है। नोएडा को स्वच्छ बनाने के बड़े बड़े दावे करने वाला प्राधिकरण का कार्यालय खुद बदहाल स्थिति में है। करोड़ों-अरबों रुपये के बजट वाले इस विभाग के शौचालय की स्थिति इतनी खराब है कि वहां जाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं। बता दे कि नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के कार्यालय के शौचालय में फैली गंदगी और बदबू से यह साफ जाहिर होता है कि जिम्मेदार इस ओर गंभीर नही है। और कार्यालय में आने वाले लोग भी मजबूरी में इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हालत इतनी खराब है कि कर्मचारी कार्यालय के अंदर लगे वाश बेसिन की हालत भी विभागीय लापरवाही की कहानी बयान कर रही है। बेसिन तो मौजूद है लेकिन उसमें पानी की टोंटी तक नहीं लगी। ऐसे में कर्मचारी हाथ धोएं तो कैसे? सवाल यह भी उठता है कि जब विभाग अपने ही कार्यालय में बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पा रहा तो शहरभर में सफाई व्यवस्था कितनी बेहतर होगी, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि जब प्राधिकरण के कार्यालय की यह स्थिति है, तो शहर की सफाई व्यवस्था का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। अपने कार्यालयों को ही साफ-सुथरा नहीं रख पाने वाले अधिकारियों से गांवों,शहर की सफाई की उम्मीद करना बेमानी है। बताते चले कि इस कार्यालय में रोजाना शहर से हजारों लोग अपने कार्यों के लिए आते हैं और अनेकों समस्यायों से जुझाते हैं लेकिन फिर भी ना जाने क्यों अधिकारियों की कुंभकरणी नींद खुलने का नाम ही नहीं ले रही। एक ओर प्रधानमंत्री के 'स्वच्छ भारत अभियान' को लेकर देशभर में करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सरकारी दफ्तरों से लेकर सार्वजनिक स्थानों तक स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं वही दूसरी ओर नोएडा प्राधिकरण के इस कार्यालय की तस्वीरें उन दावों की पोल खोल रही हैं। अब देखना होगा की क्या इन तस्वीरों को देख कर जिम्मेदार कुछ करते हैं या फिर आँखे मुद कर यूही बैठे रहते हैं।

पांच दिवसीय रोग निवारण शिविर का शुभारंभ

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आरडब्लूए सेक्टर 51 नोएडा के सहयोग से भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान मे एक विशेष पांच दिवसीय निःशुल्क मोटापा रोग निवारण शिविर के आयोजन की शुरूवात करी गई। आरडब्ल्यूए सेक्टर 51 महासचिव संजीव कुमार द्वारा आरडब्लूए की ओर से योग शिविर के आयोजकों को समाज के लिए किया जा रहे विवेक कार्य के लिए (हीरा सिंह बिष्ट, हेमलता नाकरा और जोनल मन्त्री) शॉल उड़ाकर सम्मानित किया गया। प्रोग्राम की शुरूआत दीप प्रज्वल ओर आरती से की गई। इस अवसर पर भारतीय योग संस्थान से हीरा सिंह बिष्ट द्वारा विशेष अतिथि संजीव कुमार महासचिव सेक्टर 51 नोएडा और अरविंद शर्मा को पुष्प माला पहनकर सम्मानित किया गया। आयोजन कताओं द्वारा बताया गया कि हमारे देश में मोटापा बहुत तेजी से बढ रहा है द्य मोटापा अनेक घातक रोगों जैसे कि पेट के रोग, मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, पैरो के रोग, श्वास फूलना, अल्सर, कमर दर्द, महिलाओ मे मासिक धर्म के रोग आदि को जन्म देता है। योग, आहार व दिनचर्या मे सुधार लाकर इस रोग को काफी सीमा तक नियन्त्रित किया जा सकता है। सेक्टर 51 में आयोजित पांच दिवसीय शिविर मे भाग लेकर आप बिना दवा निःशुल्क इस रोग से मुक्त होकर अपने जीवन को आनन्दित करें।

एलआईजी.उद्योग विहार सेक्टर 82 में हुई मीठा जल एवं शरबत वितरण सेवा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। वैष्णव अधिकमास एकादशी (पद्मिनी एकादशी) के पावन अवसर पर एलआईजी उद्योग विहार सेक्टर 82 में गेट नंबर 2 पर मीठा जल एवं शरबत वितरण सेवा का आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य आरडब्लूए अध्यक्ष मयंक चौहान के नेतृत्व में एवं समिति के सम्मानित निवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में सोसाइटी के निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों, श्रमिकों एवं स्थानीय लोगों के लिए ठंडे मीठे जल और शरबत की व्यवस्था की गई, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर समिति द्वारा संदेश दिया गया कि समाज सेवा, मानवता और आपसी सहयोग ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। सभी निवासियों ने एकजुट होकर सेवा भावना का परिचय दिया, जिसके लिए समिति ने सभी का आभार व्यक्त किया। आरडब्लूए अध्यक्ष मयंक चौहान ने कहा कि भविष्य में भी समाजहित एवं जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्य लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि उद्योग विहार को एक परिवार की तरह संगठित और मजबूत बनाया जा सके।

मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत किसानों को मिलेगा निःशुल्क मिनीकीट बीज

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि जनपद के समस्त किसान भाइयों को सूचित किया जाता है कि कृषि विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु निःशुल्क मिनीकीट वितरण के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। किसानों को विभिन्न प्रकार के मोटे अनाजों के बीज निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे मोटे अनाजों की खेती को बढ़ावा मिल सके तथा किसानों की आय में वृद्धि हो सके। कृषि विभाग द्वारा प्राप्त लक्ष्य के अनुसार सावां, बाजरा, ज्वार, कोदों, रागी, काकून एवं कुटकी के मिनीकीट किसानों को वितरित किए जाएंगे। विभाग को सावां के 710 पैकेट, बाजरा के 3190 पैकेट, ज्वार के 1250 पैकेट, कोदों के 500 पैकेट, रागी के 1100 पैकेट, काकून के 30 पैकेट तथा कुटकी के 05 पैकेट प्राप्त हुए हैं।

पहली बार बिग क्रिकेट लीग की मेजबानी करेगा ग्रेटर नोएडा, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खेलेंगे

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। ग्रेटर नोएडा के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने जा रही है। पहली बार बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) का आयोजन ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के क्रिकेट ग्राउंड में होने जा रहा है। शिखर धवन, हरभजन सिंह, क्रिस गेल, रॉस टेलर, थिसारा परेरा और तिलकरत्ने दिलशान सरीखे अंतर्राष्ट्रीय और आपके चहेते खिलाड़ी इस ग्राउंड में चैके-छक्के लगाएंगे। बिग क्रिकेट लीग के सीजन-टू का आगाज 3 जून को होगा और 13 जून तक चलेगा। सभी मैचों के लिए स्टेडियम में प्रवेश निशुल्क रहेगा। इस मैच के आयोजन के लिए क्रिकेट ग्राउंड और आसपास सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर एसीईओ प्रेरणा सिंह ने सभी संबंधित विभागों की बैठक कर तैयारियों को प्राथमिकता पर तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इस आयोजन के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण भी सहयोगी की भूमिका निभा रहा है। बिग क्रिकेट लीग के मुख्य संरक्षक पुनीत सिंह ने बताया कि आनलाइन ट्रैवेल टेक कंपनी ईज माई ट्रिप के सहयोग से आयोजित होने वाले इस टूनार्मेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें टी-20 फॉर्मेट में 18 मुकाबले खेलेंगी। इसकी मौजूदा चैंपियन मुंबई मरींस है। इसकी खास बात यह है कि देशभर से चुने गए शौकिया तौर पर 60 क्रिकेटरों को इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम में खेलने का अवसर मिलेगा। इनके साथ पूर्व आईपीएल खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। भारत में इन मैचों का सीधा प्रसारण यूरो स्पोर्ट्स पर किया जाएगा, जबकि डिजिटल स्ट्रीमिंग फैनकोड पर उपलब्ध होगी। इसके अलावा लीग से जुड़े नेटवर्क पर इस 11 दिवसीय टूनार्मेंट को 25 से अधिक देशों में लाइव प्रसारित किया जाएगा। ईज माई ट्रिप के संस्थापक एवं चेयरमैन निशांत पिट्टी ने कहा कि बिग क्रिकेट लीग के साथ साझेदारी बेहद रोमांचक और संतोषजनक रही है। बीसीएल ने एक ऐसा नया फॉर्मेट पेश किया है, जिससे क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों को जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के साथ जोड़ने का काम करता है। बिग क्रिकेट लीग के लीग कमिश्नर दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि बिग क्रिकेट लीग का उद्देश्य एक विश्वस्तरीय क्रिकेट मंच तैयार करना है, ताकि युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के साथ खेलने का अवसर मिल सके।

ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग एक्शन में

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने अभियान चलाकर 02 प्रतिष्ठानों से 02 खाद्य पदार्थों के नमूने किए संग्रहित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण आइसक्रीम एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं। इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए आम जनमानस को शुद्ध व गुणवत्ता युक्त आइसक्रीम एवं अन्य खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने हेतु संचालित विशेष अभियान के तहत आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा डेरी फन ब्रांड के ग्रेटर नोएडा स्थित निर्माण इकाई से फ्रोजन डेजर्ट का 01 नमूना तथा हाजीपुर सेक्टर-104 स्थित बी एस आर फूड एंड बेवरेज से ज्ञानी ब्रांड आइसक्रीम का 01 नमूना लिया गया। इस प्रकार कुल 02 नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त हलाल प्रमाणन युक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री किए जाने की शिकायत पर गत दिनों विभाग द्वारा की गई कार्यवाही के क्रम में जनपद के विभिन्न स्टोरों पर आज भी चेकिंग अभियान चलाया गया, यद्यपि उनमें से किसी पर हलाल प्रमाणनयुक्त खाद्य पदार्थों की बिक्री होते नहीं पाई गई। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

आज से तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश के आसार

नोएडा। शहर में बुधवार सुबह से ही भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सड़कों पर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को ढके नजर आए। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर दोपहर के समय भीड़ भी कम दिखाई दी। हालांकि बृहस्पतिवार से मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, हल्की बारिश देखने को मिल सकती है, जिससे मौसम सुहावना हो जाएगा। बुधवार को अधिकतम तापमान 45 और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रही है। 28 मई को दोपहर और शाम के समय हल्की बारिश, गरज-चमक और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। 29 मई को भी मौसम खराब बना रहेगा। सुबह से शाम तक हल्की बारिश, बिजली कड़कने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ तूफान आने के आसार हैं।

किसान की समस्याओं को लेकर यमुना विकास प्राधिकरण में हुई बैठक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। किसान की समस्याओं को लेकर 12 महीने से चल रहे धरने के विषय को लेकर भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) का प्रतिनिधिमंडल की बैठक यमुना विकास प्राधिकरण में हुई। जिसमें भाकियू लोकशक्ति के सैकड़ो कार्यकर्ता पहुंचे। वार्ता में जनवरी में हाईवे में गयी हुयी जमीन का 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा व 7 प्रतिशत आवासीय प्लॉट, आबादी निस्तारण व बिना नोटिस दिए हुए किसानों की आबादी व जमीनों पर जेसीबी चलाने व अन्य समस्याओं को लेकर विस्तार से वार्ता की गई। संगठन ने जल्द से जल्द इनका निस्तारण करने की मांग की। साथ ही साथ चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इन समस्याओं पर अगर यमुना विकास प्राधिकरण संज्ञान नहीं लेता है तो संगठन इस बार आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार बैठा हुआ है। इस बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता ठाकुर ओमवीर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रतिनिधि ठाकुर सतवीर सिंह, परिवहन मंत्री ओमप्रकाश गुर्जर, जिला अध्यक्ष युवा ठाकुर अमित गौड़, ठाकुर प्रदीप भाटी तहसील अध्यक्ष सदर, ठाकुर नरेश भाटी तहसील अध्यक्ष जेवर, महानगर अध्यक्ष महेश तवर, युवा महानगर अध्यक्ष राजकुमार उर्फ मोनू, ठाकुर संजय सिंह, ठाकुर खेमी सिंह, ठाकुर सत्येंद्र सिंह, नीरज सोलंकी, मोबीन, ठाकुर भूपेंद्र गौड़ आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

श्यामलाल कॉलेज (सांध्य) में वार्षिक दिवस और पुरस्कार-वितरण समारोह

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नई दिल्ली। श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपने 56वें वार्षिक दिवस और पुरस्कार- वितरण समारोह का भव्य आयोजन कॉलेज परिसर में किया। यह समारोह न केवल महाविद्यालयी शैक्षणिक उत्कृष्टता का उत्सव था, बल्कि चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता और उससे निर्मित समग्र शिक्षा परिदृश्य की दिशा-दशा का सशक्त प्रतिबिंब भी रहा।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने समारोह की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि ने कॉलेज की शैक्षणिक परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था केवल ज्ञान प्रदान नहीं करती, बल्कि मूल्य-निष्ठित समाज के निर्माण की दिशा की ओर अग्रसर करती है। ऐसी संस्थाएं युवा सोच को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती हैं, जिसकी तरफ हमारे प्रधानमंत्री जी इशारा करते हैं। उन्होंने भारत के नौजवानों की जागरूकता,उनकी कार्य-कुशलता को देश की जरूरत बताया। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए नवप्रवर्तन, नए विचार और नवनेतृत्व को आधार मानते हुए कहा कि हमें सभी क्षेत्रों की तरफ अपनी सोच को आगे बढ़ाना है। सामाजिक सौहार्द के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। उन्होंने अंत में सभी को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।उन्होंने मुख्य अतिथि को धन्यवाद देते हुए आदरणीय प्रधानमंत्री जी के विजन की तारीफ की और अपने मधुर स्वर में 'बाकी सब तो ठीक ठाक है' गीत का गायन किया। उन्होंने श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) के प्रिंसिपल के साथ छात्रों के अकादमिक समर्पण और सांस्कृतिक सक्रियता की भी प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीन ऑफ कॉलेजेज, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. बलराम पाणी ने कॉलेज के प्रिंसिपल साहब की महती भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि पुरस्कार आपकी प्रतिभा का सम्मान है। उन्होंने इस संस्थान की नवाचार, शोध और समावेशिता को बढ़ावा देने वाली नीतियों की प्रशंसा की। इस आयोजन में दिल्ली की शाहदरा विधानसभा सीट के वर्तमान विधायक जितेंद्र महाजन के साथ शासी निकाय के सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्राचार्य प्रो. नचिकेता सिंह ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शासी निकाय अध्यक्ष सविता गुप्ता के मार्गदर्शन के प्रति धन्यवाद देते हुए शैक्षणिक वर्ष 2025-26 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें कॉलेज की शैक्षणिक उपलब्धियों,शोध के विविध पहलुओं,डिजिटल नवाचारों, खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व अभियानों का समग्र विवरण परिलक्षित होता है। उन्होंने महाविद्यालय की सभी समितियों के साथ सभी विभागों के शिक्षकों ,नॉन टीचिंग स्टाफ और विद्यार्थियों के प्रति उनके सतत सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्ष सविता गुप्ता के प्रतिनिधि के रूप में आए हिमांशु गुप्ता जी ने कहा कि यह दिन आपकी उपलब्धि को सामने लाने का दिन है। इस दिन से आपके कैरियर की तरफ का रास्ता खुल जाता है।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।उनके कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। यह आयोजन केवल एकेडमिक पुरस्कारों का वितरण नहीं, बल्कि यह आपसी प्रेरणा,स्वीकृति और उत्सव का संगम रहा,जो हमारी भारतीय परंपरा और नवाचार के समन्वय से शिक्षा को जीवन दर्शन में रूपांतरित करते का प्रयास करता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नोएडा के साथ ग्रेटर नोएडा व यमुना में भी चलेंगी सिटी बसें

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। नोएडा में सिटी बसें चलाने की योजना को औद्योगिक विकास विभाग ने ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भी विस्तार देने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 100 बसें तीनों प्राधिकरण क्षेत्र में चलेंगी जिनमें 50 नोएडा, 25-25 ग्रेनो व यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के लिए होंगी। इलेक्ट्रिक एसी बसों का संचालन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम करेगा। अब तीनों प्राधिकरण संयुक्त रूप से परिवहन निगम के साथ एमओयू करेंगे। बसों की संख्या के अनुपात में किराये और खर्च के बीच के अंतर (वीजीएफ) का भुगतान भी तीनों प्राधिकरण स्तर से होगा। बुधवार को ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में सिटी बस परियोजना की तैयारी पर जानकारी ली। अधिकारियों को निर्देश दिया कि जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने पर नोएडा से सार्वजनिक परिवहन की जरूरत होगी। इसके दृष्टिगत परियोजना को जल्द धरातल पर उतारा जाए।

मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने सिटी बस परियोजना के प्रस्तावित किराया व जून से संचालन शुरू करने की तैयारी की जानकारी दी। नोएडा प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक सिटी बस संचालन के लिए औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में भी तीनों प्राधिकरण की ऑनलाइन बैठक हुई। नोएडा प्राधिकरण ने यमुना और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सिटी बस संचालन के लिए एमओयू साइन करने को नोडल अधिकारी नामित करने का पत्र भेज दिया है।

सम्पादकीय

चेहरा बदलना काफी नहीं, नीति बदलना जरूरी

देश की अर्थव्यवस्था आज गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। महंगाई, बेरोजगारी, घटती निवेश दर और बढ़ती आर्थिक असमानता ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अब केंद्र सरकार भी इस स्थिति से पूरी तरह इनकार नहीं कर रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में ईंधन, उर्वरक और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़ी चुनौतियों का उल्लेख करते हुए आर्थिक दबावों की ओर संकेत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नागरिकों से सोने की खरीद कम करने और विदेश यात्राओं से बचने की अपील भी यह दर्शाती है कि सरकार आर्थिक हालात को लेकर दबाव महसूस कर रही है। लेकिन असली सवाल यह है कि यह संकट पैदा क्यों हुआ? क्या केवल वैश्विक परिस्थितियां जिम्मेदार हैं, या हमारी आर्थिक नीतियों में भी कोई बुनियादी कमी रही है? पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रह्मण्यम ने हाल में कहा कि अर्थव्यवस्था संभालने वाले लोगों को बदलने की जरूरत है। उनका मानना है कि सरकार ने जीएसटी लागू किया, श्रम कानूनों में बदलाव किए, विदेशी निवेश के लिए नए क्षेत्र खोले और मुक्त व्यापार समझौतों की दिशा में कदम बढ़ाए, फिर भी निवेशकों का भरोसा पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया। उनके अनुसार इसकी एक बड़ी वजह यह है कि नीतियों और प्रशासनिक फैसलों में निष्पक्षता का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ बड़े कॉरपोरेट घरानों को विशेष लाभ पहुंचाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। विपक्ष शासित राज्यों की तुलना में भाजपा शासित राज्यों को अधिक प्राथमिकता दिए जाने की धारणा भी बनी है। साथ ही टैक्स कानूनों के इस्तेमाल में मनमानी, राजनीतिक विरोधियों पर दबाव और संघीय ढांचे की अनदेखी जैसे मुद्दों ने भी निवेशकों और उद्योग जगत में असुरक्षा की भावना पैदा की है। इन तर्कों में सच्चाई हो सकती है, लेकिन केवल व्यक्तियों या प्रशासनिक शैली को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। असली प्रश्न यह है कि क्या देश की आर्थिक दिशा ही गलत रास्ते पर चली गई है? पिछले वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा आयात आधारित विनिर्माण और निर्यात केंद्रित विकास मॉडल पर निर्भर होता गया। जब वैश्विक बाजार मजबूत थे, तब यह मॉडल कुछ हद तक सफल दिखाई दिया। लेकिन जैसे ही अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां बदलीं, भारत की कमजोरियां सामने आने लगीं। यदि घरेलू बाजार को मजबूत करने, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने और आंतरिक मांग बढ़ाने पर पहले से गंभीरता से काम किया गया होता, तो शायद आज स्थिति इतनी चिंताजनक नहीं होती। किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की स्थिरता उसकी घरेलू क्षमता पर निर्भर करती है। केवल विदेशी निवेश, निर्यात या वैश्विक बाजारों के भरोसे लंबे समय तक आर्थिक मजबूती कायम नहीं रखी जा सकती।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ:, छ, के, को, हा।

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
RNI No. : UPHIN/2022/84480
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन - अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे। लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'। रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी। यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है। लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए। ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (ऋफण्ड) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।' कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि 'तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।' लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया। असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है। चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (ढएरअ अू३, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है।

अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

संकटग्रस्त विश्व में भारत की आर्थिक राह

विकेश कुमार बडोला

हम सभी देख रहे हैं कि इक्कीसवीं सदी का विश्व वैज्ञानिक उन्नतियों के बाद भी अनेक प्राकृतिक-कृत्रिम बाधाओं से ग्रस्त है। कोरोना का कालखंड इसमें सबसे बड़ी बाधा रहा। इसके बाद अमरीका, रूस, ईरान, भारत, पाकिस्तान, यूक्रेन, इजरायल, खाड़ी के देशों सहित दुनिया के पंद्रह-बीस देश निरंतर युद्ध में उलझे हुए हैं, जिन पर निरंतर चर्चा हो रही है। नवीनतम अमरीका-इजरायल बनाम ईरान के युद्ध ने विश्व के सामने ऊर्जा की कठोर समस्याएं खड़ी कर दी हैं। अमरीका एवं इजरायल के द्वारा की गई बबार्दी का बदला ईरान तेल व गैस आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज को बंद कर, अवैध आवागमन शुल्क लेकर एवं बाधासंभावित बनाकर ले रहा है। ईरान के इस कर्म से दुनिया के विभिन्न देशों तक उनकी आवश्यकता का तेल तथा गैस सुगमता से नहीं पहुंच पा रही है। जो पहुंच भी रही है, वह भी अत्यंत महंगी होकर। उक्त देशों के चर्चित युद्ध के अतिरिक्त गुमनाम देशों के भी अपने पड़ोसियों के साथ युद्ध चल रहे हैं। यदि पड़ोसी देशों के साथ उनका युद्ध नहीं भी चल रहा है, किंतु उनके अपने ही देश में अलग-अलग रक्तरंजित संघर्ष निरंतर हो रहे हैं। चूंकि ये देश बड़े एवं संपन्न देश नहीं हैं, इसीलिए इनके युद्धक तथा स्वदेशी संघर्षों के समाचार अंतरराष्ट्रीय

स्तर के मुख्य जनसंचार माध्यमों पर नहीं होते। युद्धकेंद्रित इन समस्याओं के साथ-साथ प्राकृतिक अस्थिरता एवं प्रतिकूलता की स्थितियां भी नित नए-नए विकृत ढंग से उत्पन्न हो रही हैं। यदि भारत के संदर्भ में युद्धक तथा प्रकृति आधारित समस्याओं का विश्लेषण किया जाए तो इनका अंत होता हुआ नहीं दिखाई देता। वैसे तो गृहमंत्री ने जनसंचार माध्यम पर गर्वोक्ति के साथ घोषित कर दिया है कि भारत अब नक्सल-समस्या से मुक्त हो चुका है। यह अच्छी बात है। यदि मंत्री जी की घोषणा पूर्णतः सत्य है तो यह इस शासन की विशेष उपलब्धि है, किंतु इस उपलब्धि के साथ बाद में कोई किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। भविष्य में कहीं ऐसा कुछ सुनने या पढऩे को न मिल जाए कि नक्सलियों का उन्मूलन बड़े पूंजीपतियों के दबाव में उन वनों के भौतिक-औद्योगिक उपयोग के लिए किया गया है, जहां ऐसे पूंजीपति अपनी नवीन महत्वाकांक्षी परियोजनाएं आरंभ करना चाहते हैं। नक्सल-समस्या से तो देश मुक्त हो चुका है, किंतु वैश्विक ऊर्जा व आपूर्ति संकट से घिर चुका है। इसके अतिरिक्त देश में बहुत-सी ऐसी समस्याएं हैं, जो केवल और केवल सामान्य मानव के स्तर पर जीवन जीकर ही अनुभव की जा सकती हैं। जब भारतीय जनता पार्टी राजनीतिक रूप में विपक्ष में थी और उसकी बड़ी शासकीय स्थापना नहीं थी, तो प्रायः वह कांग्रेस तथा अन्य सत्तारूढ़ दलों पर अनेक आरोप लगाया करती थी। देश की समस्याओं का समाधान नहीं करने के लिए ऐसे दलों को भारत के लौकिक न्यायालय में खड़ा कर प्रश्न पूछा करती थी। भाजपा का तत्कालीन सत्ताधारी दलों से प्रश्न करना कभी नहीं रुका। सत्ताधारी दलों की मनमानी और समस्याओं का समाधान न करने की प्रवृत्ति भी ज्यों की त्यों बनी रही। किंतु वर्तमान समय तो शासन में स्थापना के दृष्टिकोण से भाजपा के अनुकूल है। इस समय वह 20 प्रदेशों तथा 2 केंद्रशासित प्रदेशों में सत्तारूढ़ है। वह केवल 8 प्रदेशों व 6 केंद्रशासित प्रदेशों में सत्ता में नहीं है। इसके बाद भी अनेक सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याएं बनी हुई हैं और हर नए दिवस में पहले से अधिक विकराल हो रही हैं। जम्मू एवं कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर तथा दक्षिण भारतीय राज्यों की सीमाओं के समीप स्थित पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका तथा म्यांमार के माध्यम से भारत में अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न की जाती रही हैं। इन देशों से भारत के अंदर अवैध घुसपैठियों का निरंतर प्रवेश हो रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के राष्ट्रीयत्व के प्रभाव में देश में अवैध घुसपैठियों को पकडऩे का व्यापक अभियान चलाया गया था। अप्रैल 2025 के बाद से लेकर आज तक इस अभियान के अंतर्गत केवल 4000 अवैध प्रवासियों को बाहर निकाला गया है। इसमें से 2000 को औपचारिक रूप में पुनः उनके देश भेजा गया और 2000 स्वयं भयभीत होकर अपने आप चले गए, किंतु 2014 में सत्ता में आने के बाद से लेकर भाजपा के नेतृत्व में संसद से लेकर विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों एवं जानकारों तक ने जो आंकड़े दिए हैं, उसके अनुसार देश में अवैध रूप में रह रहे विदेशी लोगों की संख्या 1.50 से 2 करोड़ के बीच हो सकती है।

पेट्रोल डीजल की महंगाई से त्रस्त आम आदमी

डॉ. सुधाकर आशावादी

खरबूजा छुरी पर गिरे या छुरी खरबूजे पर, कटना खरबूजे को ही पड़ता है। आम आदमी उसी खरबूजे की स्थिति में है। सत्ता चाहे किसी की भी हो, उत्पीड़न उसका होना ही है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की नीतियां आम आदमी की समझ से परे रहती हैं। ग्यारह दिनों की अल्प अवधि में तेल कंपनियों में पेट्रोल व डीजल के दामों में चार बार बढ़ोत्तरी करके सामान्य जन की कमर तोड़ दी है। पेट्रोल व डीजल की मूल्य वृद्धि का सीधा असर यातायात के साधनों, बाजार और आम आदमी की पारिवारिक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आम आदमी में से भी विशेषकर निम्न मध्यम और मध्यमवर्गीय परिवारों पर, अभिजात्य वर्ग और नीति निमार्ताओं को बाजार से सीधा कोई सरोकार नहीं होता।

महंगाई का बढ़ना यदा कदा नहीं अखरता, जब आय के साधनों और खर्चों के बीच समन्वय हो, लेकिन गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि के साथ डीजल व पेट्रोल के दामों में बार बार वृद्धि होने से आम आदमी के सम्मुख अपने अस्तित्व को बचाए रखने का संकट खड़ा हो जाता है। कहना गलत न होगा, कि पेट्रोलियम पदार्थ की बिक्री केंद्र और राज्य सरकारों की कमाई का बड़ा जरिया है। यदि ऐसा न होता, तो केंद्र व राज्य की सरकारें जनहित में टैक्स काम करके जनसाधारण को इस महंगाई संकट से निजात दिला सकती है, किन्तु ऐसा नहीं है, सड़कों पर महंगाई का विरोध करने वाले कुछ राजनीतिक दलों के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकारों में अन्य राज्यों से अधिक टैक्स वसूली की जा रही है, जिसके चलते उन राज्यों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम अन्य राज्यों से अधिक है। किसी भी कल्याणकारी राज्य में जनता सर्वोपरि रहती है, किन्तु आम आदमी अपनी जीवनचर्या बिना किसी अतिरिक्त व्यवधान के गतिशील रखना चाहता है, जिसके लिए आवश्यक है, कि केंद्र तथा राज्यों में स्थापित सरकारें आम आदमी की रोजमर्रा की दिनचर्या को सुलभ बनाए रखने में अपना योगदान दें। आम उपभोक्ता वस्तुओं के दामों और महंगाई को नियंत्रित रखने पर पूरा ध्यान दें, ताकि आम आदमी को महंगाई से राहत मिल सके।

दिल्ली से चीन को मिली सीधी चुनौती, हिंद प्रशांत में खींची नई रणनीतिक लकीर

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली में आयोजित क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक ने साफ कर दिया है कि हिंद महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अब शक्ति संतुलन की नई लकीर खिंच चुकी है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने जिस आक्रामक रणनीतिक एकजुटता का प्रदर्शन किया है, वह चीन की विस्तारवादी चालों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर उसके शिकंजे के खिलाफ खुला मोर्चा है। नई दिल्ली में हुई इस बैठक ने यह संदेश दे दिया कि हिंद प्रशांत क्षेत्र को अब दबाव, धमकी और आर्थिक ब्लैकमेल से नियंत्रित नहीं किया जा सकेगा।

क्वॉड की सबसे विस्फोटक घोषणा रही महत्वपूर्ण खनिज पहल ढांचा। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर लगभग बीस अरब डॉलर के निवेश समर्थन के साथ ऐसी आपूर्ति श्रृंखला खड़ी करने का फैसला किया है जो किसी एक देश, विशेषकर चीन, पर निर्भर न रहे। दुर्लभ खनिज आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, विद्युत वाहन और आधुनिक हथियार प्रणाली की रीढ़ बन चुके हैं। चीन इन खनिजों की वैश्विक आपूर्ति पर वर्षों से दबदबा बनाए हुए है। ऐसे में क्वॉड का यह कदम सीधे तौर पर बीजिंग की आर्थिक और रणनीतिक ताकत को चुनौती देता है।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि खनन, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण तक पूरी श्रृंखला को सुरक्षित और विविध बनाया जाएगा। केवल निवेश ही नहीं, बल्कि निर्यात ऋण एजेंसियों, विकास वित्त संस्थानों, बीमा, अनुदान और निजी पूंजी को भी इस रणनीति में शामिल किया जाएगा। इसका अर्थ है कि क्वॉड अब केवल सुरक्षा मंच नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति समूह के रूप में उभर रहा है।

समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर भी क्वॉड ने बड़ा दांव चला है। पहली बार हिंद प्रशांत समुद्री निगरानी सहयोग पहल शुरू की गई है, जिसके तहत चारों देश वास्तविक समय की सूचनाएं साझा करेंगे और समुद्री गतिविधियों पर संयुक्त निगरानी रखेंगे। इसका प्रारंभिक केंद्र हिंद महासागर क्षेत्र होगा। यह सीधे तौर पर चीन की समुद्री घुसपैठ, संदिग्ध जहाज गतिविधियों और दबाव की राजनीति को रोकने की तैयारी है।

दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर को लेकर संयुक्त बयान का स्वर असाधारण रूप से कठोर रहा। क्वॉड

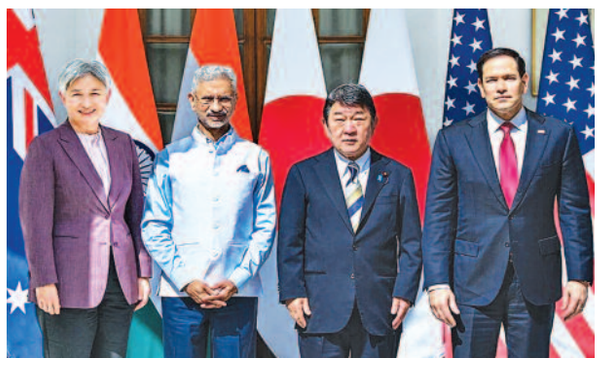

देशों ने साफ कहा कि बल प्रयोग, डराने धमकाने की नीति, जल तोपों का इस्तेमाल, जहाजों को टक्कर मारना और सैन्यीकरण क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है। यह बिना नाम लिए चीन को सीधी चेतावनी थी। खास बात यह रही कि चारों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्री स्वतंत्रता की रक्षा को अपनी साझा प्रतिबद्धता बताया।

ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भी क्वॉड ने बड़ा रणनीतिक मोर्चा खोला है। तेल, गैस, उर्वरक और ऊर्जा बाजार में वैश्विक अस्थिरता के बीच चारों देशों ने हिंद प्रशांत ऊर्जा सुरक्षा पहल की घोषणा की। इसका मकसद ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना, समुद्री व्यापार मार्गों की रक्षा करना और आपातकालीन परिस्थितियों में सहयोग बढ़ाना है। यह पहल केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामरिक महत्व भी रखती है क्योंकि पश्चिम एशिया से हिंद महासागर तक ऊर्जा मार्गों पर बढ़ते तनाव का सीधा असर एशिया की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है।

क्वॉड ने समुद्र के नीचे बिछी डिजिटल केबल प्रणाली की सुरक्षा को भी नई प्राथमिकता दी है। प्रशांत द्वीपीय देशों को सुरक्षित समुद्री केबल नेटवर्क से जोडऩे का लक्ष्य तय किया गया है। यह चीन की डिजिटल घेराबंदी और तकनीकी प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश मानी जा रही है। साथ ही पांचवीं और छठी पीढ़ी की संचार प्रणाली, खुली नेटवर्क व्यवस्था और डिजिटल पहचान मानकों पर सहयोग का फैसला यह दर्शाता है कि भविष्य की तकनीकी जंग में भी क्वॉड साझा मोर्चा बना रहा है।

आतंकवाद के खिलाफ बयान भी बेहद स्पष्ट रहा। पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए क्वॉड देशों ने सीमा पार आतंकवाद की निंदा की और कहा कि आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता ही एकमात्र रास्ता है। यह भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है क्योंकि इससे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन मजबूत होता दिखाई देता है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बैठक के बाद साफ कहा कि हिंद प्रशांत आने वाले समय में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा और समुद्री वाणिज्य का केंद्र बनने जा रहा है, इसलिए क्वॉड की जिम्मेदारियां भी तेजी से बढ़ेंगी। उनका संदेश साफ था कि अब यह मंच केवल विचार विमर्श तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीन पर असर दिखाने वाली ताकत बनेगा।

देखा जाये तो नई दिल्ली की इस बैठक ने यह स्थापित कर दिया है कि दुनिया अब दो स्पष्ट ध्रुवों की ओर बढ़ रही है। एक ओर वे ताकतें हैं जो नियम आधारित व्यवस्था, स्वतंत्र समुद्री व्यापार और संतुलित आर्थिक ढांचे की बात कर रही हैं, जबकि दूसरी ओर विस्तारवाद, दबाव और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति है। क्वॉड ने अपने फैसलों से यह संकेत दिया है कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में अब चीन की मनमानी को खुली चुनौती दी जाएगी।

बहरहाल, दिल्ली में संपन्न क्वॉड बैठक केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं थी, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की आक्रामक और दूरदर्शी विदेश नीति का शक्तिशाली प्रदर्शन भी थी।

जिस तरह भारत ने अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया को एक साझा रणनीतिक मंच पर मजबूती से संगठित किया, उसने यह साबित कर दिया कि नई दिल्ली अब वैश्विक शक्ति संतुलन की निर्णायक धुरी बन चुकी है। चीन की आर्थिक दबंगई, समुद्री विस्तारवाद और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर उसके नियंत्रण को चुनौती देने के लिए दिल्ली में जो रणनीति तैयार हुई, वह आने वाले वर्षों में हिंद प्रशांत की दिशा तय करेगी। मोदी और जयशंकर की जोड़ी ने यह संदेश पूरी दुनिया को दे दिया है कि भारत वैश्विक समीकरण बदलने वाला नेतृत्वकर्ता है।

अब नहीं होगा पेयजल संकट, सिंचाई को भी मिलेगा भरपूर पानी

किसानों की आर्थिक समृद्धता के खुलेंगे द्वार, बांध का निर्माण पूरा, नहर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिले के दुद्धी तहसील में निमार्णाधीन कनहर सिंचाई परियोजना से अगले वर्ष किसानों को पानी मिलने लगेगा। इस परियोजना से दुद्धी और ओबरा के 108 गांवों के हजारों किसान लाभान्वित होंगे। किसानों की पेयजल व सिंचाई संबंधी आवश्यकतओं की पूर्ति के लिए इस परिजयोजना की शुरूआत तो काफी पहले हुई थी, लेकिन परियोजना के निर्माण ने रफ्तार प्रदेश की योगी सरकार के कार्यकाल में पकड़ी। सरकार की प्राथमिकता के अनुसार जिला प्रशासन ने भूमि अधिग्रहण संबंधी तमाम आपत्तियों को युद्ध स्तर पर दूर करते हुए बांध व नहर का निर्माण सुनिश्चित किया। अब जहां बांध का निर्माण पूरा हो चुका है वहीं नहर बनाने का कार्य भी अंतिम चरण में है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि निर्माण से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि परियोजना को दिसंबर 2026 के अंत तक हर हाल में पूरा करना है। ताकि जनवरी 2027 से किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि यह परियोजना मुख्यतः कनहर और पांगन नदी के संगम पर स्थित है। जहां वर्षा जल संचयन के लिए 3.24 किमी. लंबा एव 39.9 मीटर ऊंचे बांध का निर्माण पूर्ण हो चुका है। परियोजना तेजी से पूरी की जा सके इसके लिए प्रदेश की योगी सरकार ने परियोजना की द्वितीय पुनरीक्षित लागत 3394.65 करोड़ रुपये स्वीकृत की है। जिलाधिकारी ने बताया कि दुद्धी व

चोपन ब्लॉक में प्रतिवर्ष 35467 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई के लिए किसानों को जल उपलब्ध हो सकेगा। इसके साथ ही 2 लाख की आबादी को पेयजल भी उपलब्ध होगा। इस परियोजना के पूर्ण होने से किसानों की समृद्धि के द्वार खुल जाएंगे। एक ओर जहां उनकी पेयजल की समस्या दूर होगी वहीं दूसरी ओर सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता से आर्थिक रूप

से भी सशक्त होंगे। बताया कि बांध से किसानों के खेतों तक जल पहुंचाने वाली नहर प्रणाली की कुल लंबाई 248.810 किमी. है। जबकि परियोजना से जुड़ी मुख्य नहर की लंबाई 57.10 किमी. है। इस परियोजना के अंतर्गत कनहर, पांगन, सुखरी पांगन, लउवा, ठेमा, पाण्डु, गोइठा व धोरपा आदि नदियों का क्षेत्र आता है। जिनकी कुल लम्बाई लगभग 650 किमी.है। इनमें मुख्यतः कनहर, पांगन व सुखरी पांगन नदियां छत्तीसगढ़ राज्य के पठारों से निकलकर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से होते हुए सोन नदी में जाकर मिल जाती हैं और सोन नदी जो पटना में जाकर गंगा नदी में मिल जाती है। ये नदियां उत्तर प्रदेश के सोनभद्र क्षेत्र में जल आवश्यकताओं की पूर्ति करने में महत्वपूर्ण भूमिका रखती हैं। सोनभद्र जनपद की भौगोलिक स्थिति पठारी होने के कारण नदियों का वेग वषार्काल में अत्यधिक होता है, जिसके कारण इनका अधिकांश जल बिना उपयोग के बह जाता है। इस क्षेत्र में भू-गर्भ जल स्तर भी बहुत नीचे है। जिससे यहां के वासियों को ग्रीष्मकाल में भयंकर जल का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब इस परियोजना के पूर्ण हो जाने से जल का संचयन हो रहा है जो किसानों के काम आएगा।

पानी बढ़ने पर स्वतः खुलेंगे बांध के गेट

कनहर निर्माण खंड-3 के अधिशासी अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि कनहर बांध को आधुनिक तकनीक से बनाया गया है। बांध के स्पिलवे में 16 रेडियल गेट लगाए गए हैं। बांध में पानी बढ़ने पर अलार्म सिस्टम एक्टिवेट हो जाएगा और बांध के गेट आवश्यकतानुसार अपने आप खुल जाएंगे तथा बांध में पानी कम होते ही बांध के गेट स्वतः बंद भी हो जाएंगे। बताया कि परियोजना के तहत 1775 मीटर लंबाई का एक्वाडक्ट व 2660 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है जो अंतिम चरण में है।

पदोन्नति उपरांत खंड शिक्षा अधिकारी ने ग्रहण किया अपना कार्यभार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

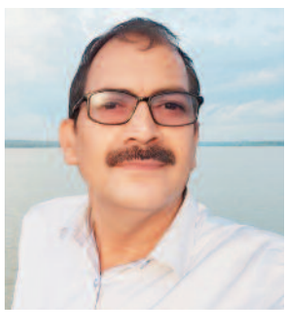

सोनभद्र। कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सोनभद्र की निरीक्षण शाखा में कार्यरत अशोक कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश शासन एवं शिक्षा निदेशक, प्रयागराज द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के क्रम में उच्चतर वेतनमान समूह ह्यखह्ल के समकक्ष पद पर पदोन्नत किया गया। पदोन्नति के बाद शिक्षा विभाग में हर्ष का माहौल है।

अशोक कुमार सिंह ने दिनांक 27 मई 2026 को पूर्वाह्न में कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी, विकास खंड चतरा, जनपद सोनभद्र में अपने पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। यह पदोन्नति जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समकक्ष पदों के लिए की गई है। श्री सिंह लंबे समय से शिक्षा विभाग में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपनी कार्यशैली, अनुशासन एवं प्रशासनिक दक्षता के लिए जाने जाते रहे हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनंद पाण्डेय ने अशोक कुमार सिंह को पदोन्नति की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री सिंह अपने अनुभव एवं कार्यकुशलता से विभागीय दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करते हुए शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ओबरा में पत्रकारों ने मनाई ग्रापए पत्रकारिता दिवस, बालेश्वर पुण्यतिथि

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। वरिष्ठ पत्रकार कमाल अहमद ने ग्रामीण जनजीवन, रोटी, कपड़ा, मकान, कानूनी अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उनकी खुशहाली को उद्देश्य बनाएं, भ्रष्टाचारियों और सामंतियों के उत्पीड़न से रक्षा करने का आह्वान किया। ओबरा। सोनभद्र ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तत्वाधान में बुधवार को ओबरा स्थित किड्स केयर इंग्लिश मीडियम स्कूल में पत्रकारों ने ग्रामीण पत्रकारिता दिवस और संस्थापक बालेश्वर जी की पुण्यतिथि मनाते हुए पत्रकारिता को और अधिक समृद्ध करने का संकल्प लिया। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र नीरा ने पर्यावरण, पारिस्थितिकीय, जल, जंगल, जमीन की पत्रकारिता पर गौर कराते हुए पत्रकारिता के विभिन्न आयाम पर ध्यान आकृष्ट कराया साथ ही कुछ प्रेरक संस्मरण भी सुनाए। वरिष्ठ पत्रकार संजय यादव ने सोशल मीडिया की भैयावहता और विभीषिका पर जहां प्रकाश डाला वही जनहित परक और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या आधारित पत्रकारिता पर बल दिया। वरिष्ठ पत्रकार कमाल अहमद ने पत्रकारिता के भावात्मक, संवेदनात्मक, आध्यात्मिक, गद्यात्मक, पद्यात्मक, नैतिक और मानवीय पहलुओं से समृद्ध पत्रकारिता पर जोर देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों और वहां के जनजीवन, रोटी, कपड़ा, मकान, कानूनी अधिकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, मनोरंजन और खुशहाली को व्यक्तिगत उद्देश्य बनाकर उन्हें न्याय दिलाने तथा भ्रष्टाचारियों और सामंतियों के उत्पीड़न से रक्षा करने का आह्वान किया। अध्यक्षता एवं आभार ज्ञापित वरिष्ठ पत्रकार एसपी तनेजा ने किया। संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक एस के गुप्ता ने किया। इस अवसर पर आयोजक एस पी तनेजा, नरेन्द्र नीरव, राकेश सिंह मंचासीन के अलावा कमाल अहमद, संजय यादव, शमशाद आलम, राम प्यारे सिंह, उत्तम सिंह, भोला दुबे आदि पत्रकारगण मौजूद रहे।

आगामी दिनों में आंधी, वज्रपात, को लेकर सतर्क रहने की अपील

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा जारी प्रभाव आधारित मौसम पूवार्नुमान एवं चेतावनी के अनुसार आगामी दिनों में जनपद सोनभद्र सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में गरज-चमक, वज्रपात, तेज हवाओं, आंधी तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की गई है। 29 मई को सोनभद्र सहित पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 70 से 80 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज आंधी/तड़ित झंझावत, मेघगर्जन, वज्रपात तथा कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों को गंभीरता से लें तथा अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाएं। आंधी एवं वज्रपात के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों एवं कमजोर संरचनाओं से दूर रहें। किसान भाई खेतों में कार्य करते समय विशेष सावधानी बरतें तथा पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें। आमजन हेतु आवश्यक सावधानियां: खराब मौसम के दौरान घरों के भीतर सुरक्षित रहें। मोबाइल, बिजली उपकरण एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान को सुरक्षित रखें। तेज आंधी एवं बिजली चमकने के समय पेड़ के नीचे शरण न लें। खुले मैदान, तालाब, नदी एवं जलस्रोतों से दूर रहें। किसान भाई खलिहानों में रखे अनाज एवं कृषि उत्पादों को सुरक्षित स्थान पर रखें। लू एवं अत्यधिक गर्मी से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस, नींबू पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें। दोपहर के समय अनावश्यक धूप में निकलने से बचें। छोटे बच्चों, बुजुर्गों एवं बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने तथा आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बकरीद पर काशी जोन में सुरक्षा का सख्त पहरा

स्वास्तिक सहारा वाराणसी

वाराणसी। बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से काशी जोन में पुलिस एवं प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, मस्जिदों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण कर आमजन से भाईचारा बनाए रखने तथा अफवाहों से दूर रहने की अपील की। मार्च में पुलिस बल, पीएसी एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान शामिल रहे। अधिकारियों ने पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों को भरोसा दिलाया कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। काशी जोन पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है तथा माहौल बिगाड़ने या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च के दौरान स्थानीय लोगों ने भी पुलिस प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए सहयोग और शांति बनाए रखने का भरोसा दिलाया। पूरे क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी जारी है, जिससे लोगों में सुरक्षा का विश्वास और मजबूत हुआ है।

भीषण गर्मी में अधिवक्ताओं के लिए राहत, डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने वितरित किए गमछे

अधिवक्ता कल्याण को लेकर बनाई गई नई रणनीति, वेलफेयर ट्रस्ट के गठन पर हुई चर्चा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए विशेष पहल की गई। बुधवार को डीबीए सभागार में अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में आयोजित आवश्यक बैठक के दौरान अधिवक्ताओं को गमछा वितरित कर गर्मी से राहत प्रदान करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता हितों एवं उनके कल्याण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व महामंत्री विमल प्रसाद सिंह के आर्थिक सहयोग

से डीबीए सचिवालय में पंद्रह अधिवक्ताओं को गमछा वितरित किया गया, ताकि उन्हें गर्मी से कुछ राहत मिल सके।

बैठक को संबोधित करते हुए डीबीए के उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा एडवोकेट ने कहा कि अधिवक्ताओं के आर्थिक और सामाजिक हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से डीबीए अधिवक्ता वेलफेयर ट्रस्ट का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से ऐसी योजनाएं संचालित की जाएंगी, जिनसे नियमित आय सृजित हो सके और उस धनराशि का उपयोग अधिवक्ताओं के कल्याणकारी कार्यों में किया जा सके। उन्होंने बताया कि यदि किसी अधिवक्ता या उनके परिवार पर आकस्मिक संकट, गंभीर बीमारी, दुर्घटना अथवा आर्थिक कठिनाई आती है तो ट्रस्ट के माध्यम से तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन भी किया गया है, जो आवश्यक मामलों में त्वरित निर्णय लेकर सहायता उपलब्ध कराएगी। चतुर्भुज शर्मा ने सभी अधिवक्ताओं से अपील की कि वे अधिवक्ता वकालतनामा एवं रजिस्ट्री कूपन अवश्य लगाएं, जिससे वेलफेयर ट्रस्ट को मजबूत आधार मिल सके और भविष्य में अधिवक्ताओं के हित में अधिक प्रभावी योजनाएं संचालित की जा सकें। कार्यक्रम का संचालन पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया। बैठक में भोला सिंह पटेल, हीरालाल पटेल, जगजीवन सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेंद्र कुमार यादव, राजेश यादव, रियाज खान, विनीत श्रीवास्तव, टीटू गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, रविंद्र पटेल, शाहनवाज आलम खान, रामगुल्ली यादव, राकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिवक्ताओं ने संगठन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास अधिवक्ता समुदाय में एकजुटता और सहयोग की भावना को मजबूत करेंगे।

योगी सरकार का डिजिटल विजन तेज रफ्तार पर, प्रोजेक्ट गंगा जल्द होगा 'लाइव'

ग्रामीण उत्तर प्रदेश में डिजिटल क्रांति की तैयारी, ब्रॉडबैंड, फ्री वाई-फाई और डिजिटल सेवाओं से बदलेगी गांवों की तस्वीर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से डिजिटल आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार का महत्वाकांक्षी 'प्रोजेक्ट गंगा' अब जल्द 'लाइव' होने जा रहा है। सरकार की ओर से परियोजना से जुड़े लगभग सभी प्रमुख माइलस्टोन पूरे कर लिए गए हैं और अब इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। प्रोजेक्ट गंगा का उद्देश्य गांवों और छोटे शहरों तक आधुनिक डिजिटल सेवाओं को पहुंचाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी हाई स्पीड इंटरनेट और नई तकनीकों से सीधे जुड़ सकें। परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, फ्री पब्लिक वाई-फाई, साइबर सिक्योरिटी, आईपीटीवी और डिजिटल सेवाओं का बड़ा नेटवर्क तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्ट गंगा की शुरूआत जुलाई 2025 में प्रारंभिक सीडिंग के साथ हुई थी। इसके बाद दिसंबर 2025 में विभिन्न सरकारी विभागों और स्टेकहोल्डर्स के साथ रणनीतिक चर्चाएं शुरू हुईं। जनवरी 2026 में कॉन्सेप्ट नोट साझा किया गया, जबकि 9 मार्च 2026 को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना की उपस्थिति में एमओयू साइन किया गया। इसके बाद मीडिया कवरेज, फाइनल डीपीआर और एमएसएमई विभाग के माध्यम से जिलाधिकारियों को पत्र जारी करने जैसी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अप्रैल 2026 तक बैंकिंग पार्टनर्स के साथ फाइनेंशियल एनेबलमेंट को लेकर भी रणनीतिक बातचीत शुरू कर दी गई, जिससे अब यह परियोजना 'लाइव' के लिए पूरी तरह तैयार मानी जा रही है। प्रोजेक्ट गंगा के तहत डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर नेटवर्क तैयार किया जाएगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और आधुनिक डिजिटल सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा। इसके माध्यम से घर-घर हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड, पब्लिक वाई-फाई और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच संभव होगी। साथ ही सीसीटीवी आधारित सुरक्षा समाधान, साइबर सिक्योरिटी सेवाएं और संस्थानों की डिजिटल कनेक्टिविटी को भी मजबूत किया जाएगा। परियोजना का लक्ष्य केवल इंटरनेट पहुंचाना नहीं, बल्कि गांवों को भविष्य की डिजिटल तकनीकों के लिए तैयार करना है। प्रोजेक्ट गंगा के जरिए ग्रामीण युवाओं को डिजिटल रोजगार से जोड़ने पर विशेष फोकस किया गया है। इसके तहत फ्रीलांसिंग, रिमोट वर्क, ऑनलाइन वोकेशनल ट्रेनिंग और डिजिटल लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे गांवों में रहने वाले युवाओं को भी बड़े शहरों जैसी डिजिटल संभावनाओं का लाभ मिलेगा। माना जा रहा है कि यह परियोजना उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल इकॉनामी को नई गति दे सकती है और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है। योगी सरकार का मानना है कि डिजिटल कनेक्टिविटी ही भविष्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ऐसे में प्रोजेक्ट गंगा ह्लकनेक्टेड गांव, समृद्ध यूपी' के विजन को मजबूत आधार देगा। सरकार की कोशिश है कि डिजिटल सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और उत्तर प्रदेश तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर राज्य के रूप में नई पहचान बनाए।

प्रयागराज में कला का रंगारंग संगम

स्वास्तिक सहारा वाराणसी

वाराणसी। प्रयागराज करेली स्थित खानम आर्ट गैलरी के 6 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय कलाकार कार्यशाला एवं शिविर 2026 का भव्य शुभारम्भ एवं सफल समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत गैलरी निदेशक डॉ. जाहेदा खानम की शानदार 5 मिनट की नाइफ पेंटिंग डेमोंस्ट्रेशन से हुई, जिसने उपस्थित कलाकारों और कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ एवं नवोदित कलाकारों ने शिविर में भाग लिया। विशेष आमंत्रित कलाकारों में अलीगढ़ की अनुपम कुमारी, दिल्ली की डॉ. जुही शुक्ला, प्रयागराज के तलत महमूद, वाराणसी के राम रघुबीर मिश्रा तथा मुंबई के जफर अली प्रमुख रहे।कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया। पांच हजार रुपये के चार नगद पुरस्कार निदा अंसारी, अरबिया इसरार, शैफ़्ता एवं जफर अली को प्रदान किए गए। वहीं खदीजा बेगम एवं हमीदा खानम स्कॉलरशिप के माध्यम से नवोदित कलाकारों को प्रोत्साहित किया गया।बेस्ट आर्टवर्क अवार्ड से डॉ. जुही शुक्ला, तलत महमूद, राम रघुबीर मिश्रा, डॉ. अनुपम कुमारी, सुस्वेता सरकार और सानिया जावेद सहित कई वरिष्ठ कलाकारों को सम्मानित किया गया। चयनित कलाकारों को खानम आर्ट गैलरी में निःशुल्क ग्रुप शो का अवसर भी प्रदान किया गया। साथ ही 15 अगस्त को तीन बच्चों को विशेष पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई।कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ के सदस्य एवं वरिष्ठ कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने आयोजन की सराहना की। डॉ. जाहेदा खानम ने उन्हें बैच और मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा सभी अतिथियों और कलाकारों का स्वागत किया।

15 जून से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ करने के निर्देश

जेवर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए इलेक्ट्रिक बसें होंगी उपलब्ध: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के संचालन के साथ यात्रियों को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक आवागमन के लिए प्राथमिक चरण में 110 इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की चौथी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र में 500 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 जून से प्रस्तावित उड़ान संचालन से पहले सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह सुदृढ़ किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 15.5 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं तथा वर्ष 2030 तक 10 हजार चार्जिंग स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक लगभग 2500 चार्जिंग स्टेशन संचालित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को नई गति देगी। उन्होंने भूमि अधिग्रहण और विनिमय संबंधी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए लगभग 55 प्रतिशत भूमि प्राप्त की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे और झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण जून माह के अंत तक पूरा कर लिया जाए। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे का एलाइनमेंट स्वीकृत हो चुका है तथा भूमि अधिग्रहण की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश संबंधी परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और निवेशकों के साथ सतत संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के लिए 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा प्राप्त हो चुका है। डेवलपर चयन के लिए निविदा की अंतिम तिथि बढ़ाकर 6 जुलाई 2026 कर दी गई है। वहीं मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए 200 हेक्टेयर में से 144 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध हो चुकी है तथा शेष भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के लिए मॉडल बिल्डिंग बायलॉज को निवेश अनुकूल व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि भवन स्वीकृति संबंधी प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी तथा समयबद्ध बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के प्रभावी संचालन के लिए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराया जाए। बैठक में बताया गया कि राज्य स्तर पर 136 रिक्त पदों में से 40 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा शेष 96 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। जिला एवं विकासखंड स्तर पर 360 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया संचालित है।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में प्रस्तावित सीड पार्क और टेक्सटाइल पार्क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं को प्रदेश के कृषि और औद्योगिक विकास से जोड़ते हुए तेजी से आगे बढ़ाया जाए। बैठक में बताया गया कि सीड पार्क परियोजना के संबंध में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और प्रमुख बीज कंपनियों के साथ विचार-विमर्श किया गया है तथा आगे की कार्यवाही पर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री ने डिफेंस कॉरिडोर परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए निवेशकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। बैठक में बताया गया कि आइकॉन्स हिंदुस्तान एयरोस्पेस एंड डिफेंस सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अलीगढ़ डिफेंस नोड में 125 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। तकनीकी मूल्यांकन समिति तथा भूमि आवंटन समिति द्वारा कंपनी के पक्ष में संस्तुति की जा चुकी है और आगे की प्रक्रिया प्रचलित है।

मुख्यमंत्री ने जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निकट प्रस्तावित एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट हब तथा उन्नाव में एक्वा ब्रिज परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कृषि और मत्स्य आधारित उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए आधुनिक प्रोसेसिंग और निर्यात सुविधाएं विकसित की जाएं। बैठक में बताया गया कि एग्री एक्सपोर्ट हब के लिए 50 एकड़ भूमि की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में 29 एकड़ भूमि चिन्हित की जा चुकी है। वहीं उन्नाव में एक्वा ब्रिज परियोजना के लिए 60 एकड़ भूमि चिन्हित कर ली गई है, जहां फिश प्रोसेसिंग, फीड प्लांट, पैकेजिंग और निर्यात संबंधी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए आधुनिक नगरीय अवसंरचना का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में सीएम समीक्षा में शामिल परियोजनाओं को शीर्ष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सेल गठित कर इन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

कांग्रेस के नेताओं को नजरबंद करना लोकतंत्र के खिलाफ: पुरुषोत्तम नागर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। जेवर के बनवारीवास गांव में एक नाबालिग लड़के की निर्मम हत्या का मामला अब राजनीतिक रंग पकड़ता जा रहा है। पहले ब्राह्मण समाज के संगठन ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। अब कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने के लिए पहुंचने वाला था। लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोका दिया। इसी क्रम में नोएडा कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश यादव और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम नागर को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। दोनों नेता पीड़ित किसान परिवार से मिलने के लिए जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। बता दे कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर गठित प्रतिनिधिमंडल को 27 मई को शाम 4 बजे पीड़ित परिवार से मुलाकात करनी थी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे घटना की वस्तुस्थिति जानने और निष्पक्ष जांच की मांग के लिए जा रहे थे। पुरुषोत्तम नागर ने कहा कि हम लोग दुख की घड़ी में परिवार के सदस्यों से मिलकर उनका दुख दर्द बांटना चाहते थे लेकिन पुलिस द्वारा रात से ही कांग्रेस के नेताओं को नजरबंद कर दिया गया जो कि लोकतंत्र के खिलाफ है। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, किसान कांग्रेस के कोऑर्डिनेटर दिनेश अवाना, पीसीसी सदस्य गौतम अवाना और पूर्व महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन मौजूद रहे।

बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महिला उन्नति संस्था जिला गौतम बुद्ध नगर द्वारा सावित्री बाई फुले शिक्षा केंद्र सेक्टर 44 में बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी सीमा रावत ने बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व समझाया। उन्होंने दांतों की सही सफाई, शरीर को स्वच्छ रखने और गंदगी से दूर रहने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे कीटाणुओं के संक्रमण से बचा जा सके। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रेनू बाला शर्मा ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो शिक्षा, खेल-कूद सहित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। संस्था द्वारा सभी बच्चों को दांतों की देखभाल हेतु टूथपेस्ट, टूथब्रश, साबुन तथा गर्मी से बचाव एवं ऊर्जा के लिए शरबत और ग्लूकोज का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी सभी के लिए आनंद का विषय रही। हम भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। इस मौके पर कार्यक्रम में संगठन के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षित युवाओं की मांग को पूरा करेगा एटीडीसी: ललित ठुकराल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-24 स्थित अपैरल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सेंटर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षा एवं उद्योग जगत से जुड़े लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि गौतमबुद्धनगर के डिप्टी कमिश्नर इंडस्ट्री पंकज निर्वान रहे। उन्होंने युवाओं को स्किल आधारित शिक्षा एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण से जुड़ने के लिए प्रेरित किया तथा एटीडीसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रेस वार्ता को एईपीसी के नॉर्दर्न रीजनल हेड एवं एटीडीसी नोएडा के कन्वेनर ललित ठुकराल ने संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को फैशन एवं अपैरल इंडस्ट्री में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी देते हुए एटीडीसी द्वारा संचालित विभिन्न प्रोफेशनल एवं स्किल डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि एटीडीसी में वर्तमान सत्र के लिए कई रोजगारपरक एवं इंडस्ट्री आधारित कोर्सेज में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। प्रमुख कोर्सेज में बीवॉक अपेरल मैन्युफैक्चरिंग एंड एंटरप्रेन्योरशिप, बीवॉक फैशन डिजाइन एंड रिटेल, अपेरल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी और फैशन डिजाइन टेक्नोलॉजी जैसे प्रोफेशनल कोर्स शामिल हैं।

ये सभी कोर्स इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं तथा छात्रों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट सहायता प्रदान करते हैं। आगे कहा कि एटीडीसी का उद्देश्य युवाओं को 'स्किल टू एम्प्लॉयमेंट' मॉडल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि फैशन एवं अपैरल सेक्टर में लगातार बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए प्रशिक्षित युवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है और एटीडीसी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर एटीडीसी के डीजी एवं सीईओ डॉ. रुपक वशिष्ठ ने कहा कि आने वाले समय में एटीडीसी द्वारा कई नए स्किल सेंटर स्थापित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण देकर रोजगार के लिए तैयार किया जा सके।

छह महीने तक रोडवेज कर्मियों की हड़ताल पर रोक, परिवहन निगम को घोषित किया गया आवश्यक सेवा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने रोडवेज सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए बड़ा फैसला लेते हुए रोडवेज कर्मचारियों की हड़ताल पर अगले छह महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (रोडवेज) की सेवाओं को आवश्यक सेवा की श्रेणी में शामिल किया गया है, जिसके चलते किसी भी प्रकार की हड़ताल, कार्य बहिष्कार या सेवा बाधित करने वाली गतिविधियों पर रोक रहेगी। इस संबंध में बुधवार को अपर मुख्य सचिव अर्चना अग्रवाल द्वारा आदेश जारी किया गया। आदेश में कहा गया है कि आम जनता की सुविधा, यात्री सुरक्षा तथा परिवहन सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। शासन का मानना है कि रोडवेज सेवा प्रदेश की महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में शामिल है, इसलिए इसे प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को रोकना आवश्यक है। इधर, आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को देखते हुए परिवहन विभाग ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि सभी रोडवेज बसों का तत्काल भौतिक एवं यांत्रिक परीक्षण कराया जाए तथा जिन वाहनों में कोई कमी पाई जाए, उनकी मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी बसों को शत-प्रतिशत ऑन-रोड स्थिति में रखा जाए ताकि त्योहार के दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

परिवहन मंत्री ने बस अड्डों पर यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस स्टेशनों पर बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। शौचालयों के आसपास चूने का छिड़काव कराने तथा स्वच्छता व्यवस्था मजबूत रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही बसों की फिटनेस जांच कर यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि किसी भी बस के शीशे टूटे हुए न हों और सीटें फटी हुई न हों। सभी बसों का संचालन साफ-सुथरी, सुरक्षित और व्यवस्थित स्थिति में कराया जाए।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने चालक, परिचालक एवं बस स्टेशनों पर तैनात कर्मचारियों को यात्रियों के साथ शिष्ट एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक यात्री को सुरक्षित तरीके से उसके गंतव्य तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके अलावा बसों में ज्वलनशील पदार्थों एवं प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। शासन का कहना है कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए सुरक्षा और सुविधा दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में गूंजा जय बजरंगबली का जयघोष, युवाओं ने लिया देश-धर्म रक्षा का संकल्प

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय हनुमान दल की जनपद गौतम बुद्ध नगर युवा मोर्चा इकाई द्वारा विरोंडी गाँव में भव्य श्री हनुमत सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और संगठन में शामिल होकर देश व धर्म हित में कार्य करने का संकल्प लिया। सभा की अध्यक्षता मनोज भाटी ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय हनुमान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह हिंदू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उनके साथ युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरिंदर सिंह हिंदू, राष्ट्रीय मंत्री धर्मेंद्र सिंह चौहान एवं जिला अध्यक्ष प्रकोष्ठ सरजीत खारी भी मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन राहुल सिंह डेढ़ा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा साथी संगठन से जुड़े और श्री हनुमान जी का संकल्प लेकर राष्ट्र व धर्म रक्षा का प्रण लिया। मुख्य प्रकोष्ठ में भी कई नए पदाधिकारियों के शामिल होने से संगठन को मजबूती मिली। राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित सिंह हिंदू ने कहा की युवाओं का जोश और समर्पण ही राष्ट्रीय हनुमान दल की असली ताकत है। राष्ट्र सर्वोपरि, धर्म सर्वोपरि के भाव के साथ हमारा हर कार्यकर्ता समाज हित में काम करेगा। कार्यक्रम का समापन जय बजरंगबली और जय श्री राम के जयघोष के साथ हुआ।

पं. जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर गोष्ठी का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा द्वारा आज भारत के प्रथम प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरु की 62वीं पुण्यतिथि पर पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने नेहरु जी की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये तथा पंडित नेहरू द्वारा किए गए कार्यों को याद किया।महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने नेहरु जी को याद करते हुए बताया कि पंडित नेहरु को आधुनिक भारत का निमार्ता कहा जाता है, जिन्होंने देश में आईआईटी, एम्स और योजना आयोग जैसे बुनियादी वैज्ञानिक व औद्योगिक संस्थानों की नींव रखी। स्टेट कॉर्डिनेटर सोशल मीडिया पवन शर्मा ने नेहरू जी को श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि पंडित नेहरू कहा करते थे कि देश की रक्षा, देश की उन्नति, देश की एकता ये हम सबका राष्ट्रीय धर्म है। ये हम अलग अलग धर्म पर चलें, अलग-अलग प्रदेश में रहें, अलग भाषा बोलें, पर उससे कोई दीवार हमारे बीच खड़ी नहीं होनी चाहिए। सब लोगों को उन्नति में बराबर का मौका मिलना चाहिए। हम नहीं चाहते कि हमारे देश में कुछ लोग बहुत बड़े अमीर हों और अधिकतर लोग गरीब हों। पीसीसी सदस्य यतेंद्र शर्मा ने गोष्ठी में भाग लेते हुए कहा कि आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखने वाले, लोकतांत्रिक मूल्यों के अडिग प्रहरी, वैज्ञानिक सोच, औद्योगिक विकास और आर्थिक आत्मनिर्भरता के मार्गदर्शक, ह्यविविधता में एकताह्न के विचार को जन-जन तक पहुँचाने वाले, भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ। ब्लॉक अध्यक्ष राहुल पांडेय ने बताया कि नेहरू जी की दूरदर्शी सोच, संस्थाओं के निर्माण की प्रतिबद्धता और प्रगतिशील नेतृत्व ने भारत को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई। उर्मिला चौधरी ने कहा कि पंडित नेहरू जी के अमूल्य योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना अधूरी है। गोष्ठी के बाद महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव को एक प्रतिनिध मंडल के साथ जेवर में एक पीड़ित परिवार जिनके बच्चे की निर्ममता से हत्या कर दी गई थी उनसे मिलने जाना था लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा गोष्ठी के समय ही कार्यालय को घर लिया गया तथा पदाधिकारियों जबरन रोक दिया गया। आज की गोष्ठी में शामिल पदाधिकारियों में मुकेश यादव, पवन शर्मा, फिरे सिंह नागर, संजय तनेजा, यतेंद्र शर्मा, एस एस सिसोदिया, डॉ सीमा, उर्मिला चौधरी, कैप्टन पीएस रावत, ओमवीर उपाध्याय, पंकज वाल्मीकि, सतीश एवं अरुण सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए।